मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 207
मंगलवार, 10 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बस्तर की पहचान बारूद नहीं, संस्कृति हैः अमित शाह

रायपुर, 09 फरवरी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के बस्तर पंडुम 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद और हिंसा नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध संस्कृति, कला और विरासत है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक बस्तर नक्सल भय, एके-47 धमाकों और गोलियों की आवाज से दहला रहता था, लेकिन आज 55 हजार से अधिक आदिवासी खान-पान, गीत, नृत्य, नाटक, वेशभूषा, परंपरा और वन औषधि सहित 12 विधाओं में अपनी संस्कृति को जीवंत कर रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर पंडुम इस बात का प्रमाण है कि बस्तर अब नक्सल डर से मुक्त होकर विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में 7 जिलों, 1885 ग्राम पंचायतों और 32 जनपदों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी सरकार आदिवासी समाज की संस्कृति, कला और पहचान को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस और 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव वर्ष घोषित करना इसी सोच का परिणाम है।

नक्सलवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे, सरकार उनका सम्मानपूर्वक पुनर्वासन करेगी, लेकिन जो हथियार उठाएंगे, उन्हें उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई का मूल उद्देश्य आदिवासी किसानों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा है। उन्होंने बताया कि आने वाले 5 वर्षों में बस्तर को आदिवासी क्षेत्रों में सबसे विकसित क्षेत्र बनाया जाएगा। 118 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र, नई पर्यटन गतिविधियां, रेल परियोजनाएं, सिंचाई योजनाएं और रोजगार के अवसर बस्तर के भविष्य को नई दिशा देंगे। अमित शाह ने कहा कि बस्तर अब एक राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उभर रहा है और तय समय सीमा में यह क्षेत्र पूरी तरह नक्सल मुक्त होगा।

शशि थरूर का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, 09 फरवरी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और लोकसभा अध्यक्ष पर संसद चलाने में रुचि न रखने का आरोप लगाया और कहा कि लोकसभा में बार-बार व्यवधान के कारण वे केंद्रीय बजट 2026-27 पर बोलने में असमर्थ रहे। सदन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि वे बजट पर चर्चा में भाग लेने की तैयारी के साथ आए थे, लेकिन उन्हें ऐसा करने का कोई अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार और लोकसभा अध्यक्ष सदन चलाने में रुचि नहीं रखते हैं।

शशि थरूर ने आगे कहा कि वे दिन में बाद में फिर से बोलने का प्रयास करने के लिए लौटेंगे। थरूर ने कार्यवाही के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि स्थगन की आशंका पहले से ही थी। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री सदन में बैठी ही नहीं थीं और आगे कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें पहले से ही पता था कि सदन स्थगित होगा। संसद के दोनों सदनों में सोमवार को केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा जारी रहने का कार्यक्रम था। यह बजट सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किया था।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर, थरूर ने कहा कि यह फैसला उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मेरे हाथ में नहीं है; आप इस बारे में हाई कमांड से पूछ सकते हैं। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, संसदीय कार्यवाही को लेकर जारी गतिरोध के बीच, विपक्षी सांसद बजट सत्र के दूसरे भाग में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं।

बेंगलुरु मेट्रो पर बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने

कर्नाटक, 09 फरवरी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को मेट्रो किराया वृद्धि के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उन्हें बेंगलुरु के जयनगर मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन करने के बजाय फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था। पत्रकारों से बात करते हुए, जी परमेश्वर ने केंद्र से मेट्रो किराए पर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ के बजाय सामूहिक निर्णय लेने का आग्रह किया।

कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि हमने उन्हें हिरासत में लिया और फिर रिहा कर दिया, क्योंकि वे कुछ विरोध प्रदर्शन और मुद्दे पैदा कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें उसी स्थान के बजाय फ्रीडम पार्क में वही विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा था। इसलिए उन्हें एहतियाती हिरासत में लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी सूर्या को मेरा बस यही सुझाव है कि वे कम से कम इन सभी पहलुओं पर गौर करें। केंद्र सरकार को हमें कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं मुहैया करानी होंगी। जो भी वैध धनराशि हमें मिलनी चाहिए, वह मिलनी चाहिए। यह परियोजना भारत सरकार और कर्नाटक सरकार दोनों द्वारा चलाई जा रही है। हमें मिलकर काम करना होगा। एक-दूसरे पर आरोप लगाना उचित नहीं है। जब भी किराए में वृद्धि होती है, मुझे लगता है कि यह सामूहिक निर्णय होना चाहिए। अब ये होड़ क्यों चल रही है?

आज सुबह, तेजस्वी सूर्या को बेंगलुरु के जयनगर मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस ने हिरासत में लिया और बाद में रिहा कर दिया। उन्होंने वहां कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रस्तावित मेट्रो किराए में वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन करने का प्रयास किया था। भाजपा सांसद को कल पुलिस को पूर्व सूचना दिए बिना मेट्रो स्टेशन पर प्रदर्शन करने के लिए नोटिस जारी किया गया था।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की आग, उखरुल में उग्रवादियों ने फूँके दर्जनों घर, कर्फ्यू लागू

मणिपुर , 09 फरवरी। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर सांप्रदायिक तनाव और हिंसा का तांडव देखने को मिला है। रविवार रात सशस्त्र उग्रवादियों ने लिटान सारेइखोंग क्षेत्र में कई मकानों को आग के हवाले कर दिया। यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हुए कथित हमले के बाद उपजे तनाव का परिणाम बताई जा रही है। प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों द्वारा आग लगा दी गई। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लितान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है।

जिले के एक अधिकारी ने कहा, नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में हथियारबंद लोग गांव में मकानों और वाहनों को आग लगाते हुए और उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों से हवा में गोली चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही को रोकने के लिए महादेव, लंबुई और शांगकाई तथा लिटान की ओर जाने वाले अन्य क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

उन्होंने बताया कि रविवार शाम को सुरक्षा बलों ने लिटान सारेइखोंग गांव में आपस में भिड़े दो आदिवासी समूहों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। उखरुल जिले के मजिस्ट्रेट द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के सदस्यों के बीच तनाव के कारण गांव में शांति और व्यवस्था भंग होने की आशंका है। जिला मजिस्ट्रेट आशीष दास ने अधिसूचना में कहा कि रविवार शाम सात बजे से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश सरकारी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों पर लागू नहीं होगा। शनिवार रात लिटान गांव में सात से आठ लोगों द्वारा तंगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद इलाके में हिंसा भड़क गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित पक्ष और लिटान सारेइखोंग के मुखिया के बीच मामला सुलझ गया था और दोनों पक्ष आपसी सहमति से पारंपरिक तरीकों से समस्या का समाधान करने पर सहमत हुए थे। रविवार को एक बैठक निर्धारित की गई थी लेकिन बैठक नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इसके बजाय पास के सिकिबुंग गांव के ग्रामीणों के एक समूह ने लिटान सारेइखोंग के मुखिया के आवास पर कथित तौर पर हमला किया। ऐसी जानकारी है कि ग्रामीणों ने लिटान पुलिस थाने के आसपास से गुजरते समय सात गोलियां भी चलाईं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्थिति वर्तमान में तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। संदिग्धों की आवाजाही रोकने के लिए लिटान की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर दी गई है। तंगखुल (मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति) और कुकी समुदाय के बीच इस झड़प ने राज्य में पहले से ही नाजुक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांगेस के हंगामे पर भड़के किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 09 फरवरी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस सांसदों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने अध्यक्ष के कक्ष में अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए पार्टी पर जानबूझकर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा प्रधानमंत्री को सुरक्षा संबंधी चेतावनी दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों का आचरण अस्वीकार्य है।

यह घटना बिरला द्वारा गुरुवार को दिए गए उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ कांग्रेस सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री की सीट के पास जाकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम देने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में उपस्थित न होने की सलाह दी थी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में कांग्रेस सांसदों के व्यवहार की निंदा करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के नेता का खुद पर कोई नियंत्रण नहीं है, तो अध्यक्ष ने जो किया वह सही है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के सदन में प्रवेश करते ही कांग्रेस ने हंगामा करने की योजना बनाई थी। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के सदन में आते ही उनसे कागजात छीनने की योजना बनाई थी। संसद गुंडागर्दी का स्थान नहीं है। लेकिन जब कांग्रेस सदन में आई, तो हमने संयम बरता। हर चीज की एक सीमा होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहती है, लेकिन व्यवधान संसदीय कार्य में बाधा डाल रहे हैं।

आइसक्रीम खाने के बाद 18 बच्चों की बिगड़ी तबीयत, गांव में मचा हड़कंप

कटक। ओडिशा के कटक जिले में सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब आइसक्रीम खाने के कुछ ही देर बाद कई बच्चों की तबीयत अचानक खराब हो गई। यह चौंकाने वाली घटना बांकी थाना क्षेत्र के कुमुसर गांव की है, जहां कम से कम 18 बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, गांव में बच्चों ने स्थानीय स्तर पर आइसक्रीम खाई थी। इसके बाद एक-एक कर बच्चों को उल्टी, पेट दर्द और बेचैनी की शिकायत होने लगी। बच्चों की हालत बिगड़ते देख परिजनों ने तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां सभी का इलाज जारी है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

खेजड़ी कटेगी तो थार सूखेगा

राजस्थान का थार मरुस्थल केवल रेत का विस्तार नहीं है, बल्कि यह एक जटिल और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसकी जीवनरेखा खेजड़ी (Prosopis cineraria) जैसे देशज वृक्षों से जुड़ी है। हाल के वर्षों में पश्चिमी राजस्थान–विशेषकर जोधपुर, बाड़मेर, नागौर और बीकानेर–में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के तीव्र विस्तार ने इस पारिस्थितिकी को गंभीर संकट में डाल दिया है। इसी पृष्ठभूमि में उभरा खेजड़ी बचाओ आंदोलन केवल एक स्थानीय विरोध नहीं रह गया, बल्कि यह विकास के मौजूदा मॉडल, पर्यावरणीय न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी पर एक व्यापक और गहन बहस को जन्म देता है।

खेजड़ी को राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया जाना केवल प्रतीकात्मक नहीं था। यह वृक्ष थार की शुष्क और कठोर जलवायु में जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता, पशुपालन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जैव विविधता का आधार रहा है। इसकी फलियाँ पशुओं के लिए पोषक चारे का कार्य करती हैं, पत्तियाँ हरित आहार प्रदान करती हैं और इसकी गहरी जड़ें भूजल को थामे रखती हैं। मरुस्थलीय समाज की लोकसंस्कृति में खेजड़ी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और सम्मान का प्रतीक है, जिसे लोकवाणी में कहा गया–सिर साटै रूख रहे, तो भी सस्तो जाण। ऐसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर कटना केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं, बल्कि सदियों से चले आ रहे मानव और प्रकृति के सहजीवन को तोड़ने जैसा है।

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की महत्वाकांक्षा के साथ सौर ऊर्जा को विकास की धुरी बनाया है। राजस्थान को उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण सोलर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है और राज्य सरकार लगभग 90 गीगावाट सौर ऊर्जा लक्ष्य का पीछा कर रही है। किंतु यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या हरित ऊर्जा का विस्तार हरियाली के विनाश की कीमत पर किया जा सकता है। पश्चिमी राजस्थान में स्थापित सोलर पार्क्स के लिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिसमें खेजड़ी जैसे संरक्षित वृक्षों की रातोंरात कटाई की गई। अनेक मामलों में पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन या तो किया ही नहीं गया, या उसे महज औपचारिक प्रक्रिया बनाकर छोड़ दिया गया। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक चरागाह भूमि नष्ट हुई, पशुपालकों की आजीविका प्रभावित हुई और मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी क्षरण की प्रक्रिया और तेज हो गई।

यह स्थिति सतत विकास की उस अवधारणा से सीधा टकराव है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय को समान रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। खेजड़ी बचाओ आंदोलन इसी विरोधाभास को उजागर करता है। यह आंदोलन 2024 में स्थानीय स्तर पर उभरा, किंतु 2026 तक आते-आते एक संगठित जनांदोलन का स्वरूप ले चुका है। 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निकल कॉलेज में आयोजित महापड़ाव इस संघर्ष का निर्णायक क्षण सिद्ध हुआ। बाजार बंद रहे, शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित हुआ और हजारों की संख्या में लोग–संत, साधु, महिलाएँ और युवा–एक साझा मंच पर एकत्र हुए। यह दृश्य स्पष्ट करता है कि यह संघर्ष केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक सरोकार का विषय बन चुका है।

आंदोलन के संयोजकों ने सरकार के समक्ष यह स्पष्ट चेतावनी रखी कि यदि राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून नहीं लाया गया, तो आंदोलन और तीव्र होगा। क्रमिक अनशन, कैंडल मार्च और कलेक्ट्रेट घेराव जैसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक उपायों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया गया। 4 फरवरी तक सैकड़ों अनशनकारी दर्ज किए गए, जिनमें महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इस आंदोलन को नैतिक और सामाजिक शक्ति प्रदान करती है। मातृशक्ति की यह भागीदारी केवल विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण आजीविका, लोकसंस्कृति और भविष्य की पीढ़ियों की चिंता को भी व्यक्त करती है।

यह आंदोलन बिश्नोई समाज की उस ऐतिहासिक चेतना से गहराई से जुड़ा है, जिसकी जड़ें 1730 के खेजड़ली कांड में मिलती हैं। अमृता देवी बिश्नोई और उनके साथ 363 लोगों द्वारा खेजड़ी के संरक्षण के लिए दिया गया बलिदान विश्व इतिहास में पर्यावरण रक्षा का प्रथम संगठित उदाहरण माना जाता है। लगभग तीन सौ वर्ष बाद उसी भूमि पर खड़ा यह आंदोलन ऐतिहासिक स्मृति और वर्तमान संघर्ष को जोड़ता है। यह निरंतरता आंदोलन को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि नैतिक वैधता भी प्रदान करती है, जो इसे सामान्य पर्यावरणीय विरोध से अलग बनाती है।

राजस्थान सरकार ने खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया है, किंतु इसके संरक्षण के लिए प्रभावी और बाध्यकारी कानूनी ढांचे का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वृक्ष संरक्षण को लेकर दिए गए निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर उनका अनुपालन कमजोर रहा है। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि पूरे राज्य के लिए एक सशक्त राजस्थान वृक्ष संरक्षण अधिनियम लागू किया जाए, जो विकास परियोजनाओं में वृक्षों की कटाई को अंतिम विकल्प बनाए, न कि पहली शर्त। कुछ जिलों में अस्थायी रोक या आंशिक आदेश इस संरचनात्मक समस्या का समाधान नहीं कर सकते।

यद्यपि आंदोलन स्वयं को अराजनीतिक बताता है, किंतु इसका प्रभाव राजनीति पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नो ट्री, नो वोट जैसे नारों ने पर्यावरण को एक निर्णायक चुनावी मुद्दे के रूप में सामने ला दिया है। स्थानीय विधायक और सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं और सामाजिक बहिष्कार जैसी चेतावनियाँ लोकतांत्रिक दबाव के नए रूप को दर्शाती हैं। यह संकेत करता है कि भारत में पर्यावरण अब केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का प्रश्न बनता जा रहा है, जिसका प्रभाव आने वाले चुनावों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

यह आंदोलन सौर ऊर्जा या विकास के विरोध में नहीं है। आंदोलनकारियों का तर्क स्पष्ट है कि ऊर्जा संक्रमण आवश्यक है, किंतु वह वन विनाश का पर्याय नहीं बन सकता। समाधान के रूप में राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून, सोलर परियोजनाओं में अनिवार्य हरित पट्टी, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, बंजर भूमि और रूफटॉप सोलर को प्राथमिकता तथा पुनर्वनीकरण अभियानों की मांग रखी गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन और अमेरिका जैसे देशों में अपनाए जा रहे ऐसे मॉडल, जहाँ सोलर पार्क्स के साथ जैव विविधता संरक्षण को जोड़ा गया है, भारत के लिए भी अनुकरणीय हो सकते हैं। अंततः खेजड़ी बचाओ आंदोलन यह स्मरण कराता है कि विकास का अर्थ केवल ऊर्जा उत्पादन, निवेश और आंकड़ों तक सीमित नहीं हो सकता। यह आंदोलन लोकतंत्र की उस शक्ति को रेखांकित करता है, जिसमें साधारण नागरिक संगठित होकर नीतियों की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। एक शोधार्थी के दृष्टिकोण से यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी बचाओ आंदोलन भारतीय पर्यावरण आंदोलनों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय बनने की क्षमता रखता है। यदि सरकार संवाद, संतुलन और संवेदनशील नीति का मार्ग अपनाती है, तो यह संघर्ष टकराव के बजाय सतत विकास का उदाहरण बन सकता है। खेजड़ी को बचाना केवल एक वृक्ष को बचाना नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की पहचान, थार की पारिस्थितिकी और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा का प्रश्न है। **-डॉ० सत्यवान सौरभ**

भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे, चिराग पासवान ने दी बधाई

रांची। नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया।पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। 50 ईयर्स ऑफ टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाता है। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा, भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है।

देश के आर्थिक विकास को भ्रमित करती वर्ग विषमताएं

संजीव ठाकुर

देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी , नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

वर्दी का सौदाः जब कानून ब्लैकमेल की भाषा बोलने लगे

-प्रियंका सौरभ

हरियाणा पुलिस की एक महिला इंस्पेक्टर का निलंबन महज एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह उस सड़ांध की ओर इशारा करता है जो वर्दी के भीतर चुपचाप फैल रही है। आरोप है कि एक कॉलोनाइजर को तंत्र-विद्या के जाल में फँसाकर, एफआईआर रद्द कराने के बदले शारीरिक संबंध बनाए गए और बाद में डर व ब्लैकमेल के सहारे एक लाख रुपये की ह्लमंथलीह्व माँगी गई। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला केवल व्यक्तिगत नैतिकता या चरित्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे आपराधिक न्याय तंत्र की विश्वसनीयता पर गहरा सवाल खड़ा करता है।

यह घटना इसलिए भी अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तीन ताकतवर हथियार एक साथ इस्तेमाल हुए–वर्दी की सत्ता, अंधविश्वास का भय और कानून का डर। भारत में तंत्र-मंत्र, टोना-टोटका और अंधविश्वास आज भी केवल अशिक्षा या पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं हैं। बड़े शहरों, पढ़े-लिखे समाज और आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग में भी डर के क्षणों में विवेक कमजोर पड़ जाता है। जब इस डर को कोई वर्दीधारी अधिकारी अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करे, तो पीड़ित व्यक्ति मानसिक, सामाजिक और कानूनी रूप से पूरी तरह असहाय हो जाता है। यह मान लेना भूल होगी कि यह कोई अकेला या अपवादात्मक मामला है। देश के अलग-अलग हिस्सों से समय-समय पर पुलिस और प्रभावशाली तंत्रों की साँठ-गाँठ के मामले सामने आते रहे हैं। कहीं जमीन विवाद में केस दर्ज करने की धमकी देकर पैसे वसूले जाते हैं, कहीं रेप या धोखाधड़ी के मामलों में ह्लसेटिंगह्व के नाम पर सौदेबाजी होती है। कई बार आरोपी और फरियादी दोनों ही थाने के चक्कर काटते हैं, यह जानते हुए कि न्याय नहीं, समझौता ही अंतिम रास्ता है।

इस मामले में एक अहम बात यह भी है कि आरोप एक महिला अधिकारी पर हैं। समाज अक्सर यहीं आकर भटक जाता है। बहस अपराध की बजाय महिला-पुरुष, नैतिकता और चरित्र पर केंद्रित हो जाती है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि आरोपी महिला है या पुरुष। सवाल यह है कि क्या वर्दी पहनते ही कोई व्यक्ति कानून से ऊपर हो जाता है? कानून का तकाजा यह नहीं कि हम आरोपी के लिंग पर बहस करें, बल्कि यह है कि सत्ता के दुरुपयोग को बिना किसी संकोच के बेनकाब किया जाए। कानून के सामने लिंग, जाति, पद या प्रभाव नहीं–सिर्फ. अपराध मायने रखता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह अपराध सिर्फ. ब्लैकमेल या भ्रष्टाचार का नहीं, बल्कि न्याय की अवधारणा पर सीधा हमला है। यह उस भरोसे का कत्ल है, जो आम नागरिक पुलिस और प्रशासन पर करता है।

आज एफआईआर आम आदमी के लिए सुरक्षा की गारंटी कम और डर का प्रतीक ज्यादा बनती जा रही है। एक कागज, कुछ धाराएँ और कुछ हस्ताक्षर–और पूरा जीवन शक, बदनामी और भय में बदल जाता है। नौकरी खतरे में पड़ जाती है, सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती है और परिवार मानसिक दबाव में आ जाता है। जब इसी डर को सौदे की शक्ल दे दी जाती है, तब कानून न्याय का माध्यम नहीं, बल्कि बाजारू हथियार बन जाता है। इस मामले में एक लाख रुपये की मंथली माँग यह साफ करती है कि यह कोई भावनात्मक या क्षणिक चूक नहीं थी, बल्कि सुनियोजित वसूली का तंत्र था। भारत में ऐसे ह्लमंथली सिस्टमह्व किसी से छिपे नहीं हैं। अवैध शराब, खनन माफिया, कॉलोनाइजर, सट्टा-जुआ–हर जगह एक तय रेट, एक तय तारीख और यह भरोसा कि ह्लसब मैनेज है।ह्व अगर आरोप सही हैं, तो यह मानना कठिन है कि यह सब एक व्यक्ति के बूते पर हो रहा था। असली परीक्षा इस बात की है कि जाँच कितनी निष्पक्ष, कितनी गहरी और कितनी ईमानदार होती है। दुर्भाग्य से, ऐसे मामलों में निलंबन को ही सबसे बड़ी कार्रवाई बताकर पेश कर दिया जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि निलंबन कोई सजा नहीं, बल्कि सिर्फ.एक अस्थायी विराम है। कई बार जांच लंबी चलती है, सबूत कमजोर पड़ते हैं और मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। जरूरत इस बात की है कि जाँच समयबद्ध हो, कॉल डिटेल्स, बैंक लेनदेन, संपत्ति और संपर्कों की पूरी पड़ताल की जाए और दोष सिद्ध होने पर बर्खास्तगी के साथ आपराधिक मुकदमा भी चले।

यह मामला केवल पुलिस सुधार या प्रशासनिक जवाबदेही तक सीमित नहीं है। यह समाज को भी आईना दिखाता है। जब हम अंधविश्वास को पालते हैं, जब हम डर के आगे विवेक गिरवी रख देते हैं और जब हम ह्लकिसी तरह बच निकलनेह्व की मानसिकता को सामान्य मान लेते हैं, तब ऐसे सौदे पनपते हैं। कानून तभी मजबूत होगा, जब नागरिक डर के बजाय अधिकार की भाषा बोलना सीखेंगे।

आज डर एक कॉलोनाइजर को था। कल यह डर किसी शिक्षक, किसी कर्मचारी, किसी छोटे व्यापारी या किसी आम नागरिक को हो सकता है। अगर कानून के रक्षक ही डर का व्यापार करने लगें, तो समाज न्याय नहीं, समझौते खोजने लगता है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है।

यह मामला चेतावनी है कि वर्दी जितनी ऊँची होती है, जवाबदेही उतनी ही भारी होनी चाहिए। वर्दी सम्मान का प्रतीक है, सौदेबाजी का लाइसेंस नहीं। अगर समय रहते ऐसे मामलों पर सख़्ती नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब थानों में कानून की भाषा नहीं, बल्कि ब्लैकमेल की बोली आम हो जाएगी। और तब सवाल यह नहीं रहेगा कि दोषी कौन है, बल्कि यह होगा कि क्या इस देश में सचमुच न्याय नाम की कोई चीज बची है?

संसद की गरिमा को बचाने की जरूरत

प्रो. संजय द्विवेदी

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मयार्दाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मयार्दाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है।

इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मयार्दाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं ।इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं।

दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन करके हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मयार्दाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे। संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

मोदी और कार्नी : एक नए ग्लोबल ऑर्डर के रचयिता

इकोनॉमिक नैशनलिज्म के फिर से उभरने से दुनिया की राजनीति में पुराने रिवाज हिल गए हैं और नियमों पर आधारित इंटरनैशनल ऑर्डर में भरोसा डगमगा गया है। यह सबसे साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर के दौरान दिखा, जिसमें न सिर्फ दुश्मनों को, बल्कि साथियों को भी टारगेट किया गया। भारत, जो कभी अमरीका की इंडो-पैसिफिक पॉलिसी में एक पसंदीदा पार्टनर था और कनाडा, जो एक अच्छा पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरा दोस्त था, दोनों टैरिफ का शिकार हुए। मैसेज साफ था-स्वार्थ से चलने वाली दुनिया में, भरोसेमंद पार्टनर भी अब स्थिरता को हल्के में नहीं ले सकते।इसने मध्यम और उभरते देशों को ग्लोबल सिस्टम में अपनी जगह पर फिर से सोचने पर मजबूर किया। यहीं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और मार्क कार्नी के बताए गए विचार खास अहमियत रखते हैं। साथ मिलकर, अपने कामों और अपने आइडिया के जरिए, वे सहयोग और नियमों के सम्मान पर आधारित एक बैलेंस्ड ग्लोबल ऑर्डर की ओर इशारा करते हैं।

दावोस में कार्नी ने समाज के उस हिस्से की आवाज बनकर बात की, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है-डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग दुनिया की मिडल पावर्स। उनकी स्पीच ने बड़े पावर स्ट्रगल और आर्थिक संकटों में फंसे देशों की नाराजगी को साफ तौर पर दिखाया। इससे भी जरूरी बात यह है कि उन्होंने दुनिया को एक नई वोकैबुलरी दी, जिसने डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग देशों के बीच बढ़ते गैप को कम करने और एक सांझा भविष्य की रक्षा करने की सांझी जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्नी का संदेश साफ था-रूल्स-बेस्ड ऑर्डर पर दबाव है लेकिन यह न तो आऊटडेटेड है और न ही रिप्लेसेबल। इसे रिफ्रैश करने की जरूरत है, छोड़ने की नहीं।

इसी ग्लोबल इनस्टेबिलिटी के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी की अप्रोच कम शोर वाली रही लेकिन कम असरदार नहीं। बयानबाजी की बजाय, भारत ने रणनीतिक आर्थिक राजनीति पर फोकस किया। ट्रेड वॉर के एक दौर के बाद, नई दिल्ली ने न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपियन यूनियन जैसे पार्टनर्स के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स को तेजी से आगे बढ़ाया है। ये एग्रीमैंट इंटरनैशनल ट्रेड में बहुत जरूरी स्थिरता देते हैं, खुलेपन के लिए भारत की कमिटमैंट दिखाते हैं और इसे ग्लोबल कैपिटल के लिए एक पसंदीदा मार्कीट और गंतव्य बनाते हैं। सप्लाई चेन में रुकावटों और अस्थिर कैपिटल फ्लो के समय में, भारत स्थिरता का एक मजबूत पिल्लर बनकर उभरा है। इन दोनों अप्रोच का कॉम्बिनेशन-कार्नी की आइडियोलॉजिकल दिशा और मोदी का प्रैक्टिकल परफॉर्मैंस-एक मजबूत कम्युनिटी के लिए स्टेज तैयार करता है। मार्च में कार्नी का भारत दौरा, जिसके दौरान एक बड़ी एनर्जी डील होने की संभावना है और कॉम्प्रिहैंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमैंट (सी.ई.पी.ए.) पर बातचीत चल रही है, इस कॉम्बिनेशन को दिखाता है। एक स्ट्रक्चर्ड इंडिया-कनाडा फ्री ट्रेड एग्रीमैंट से दोनों देशों को फायदा होगा-एनर्जी को-ऑप्रेशन मजबूत होगा, सप्लाई चेन में डायवर्सिटी आएगी और इन्वैस्टमैंट फ्लो बढ़ेगा।

मोटे तौर पर, भारत और कनाडा दुनिया में स्थिरता के केंद्र बन सकते हैं। दोनों ही प्लूरलिस्टिक डैमोक्रेसी हैं, ग्लोबलाइजेशन के लाभार्थी हैं लेकिन इसकी इनइक्वालिटीज के बारे में भी अच्छी तरह जानते हैं। इकोनॉमिकली, डिप्लोमैटिकली और मोरली एक साथ आगे बढ़कर, ये दोनों देश रूल्स-बेस्ड ऑर्डर में भरोसा बनाए रख सकते हैं-एक ऐसा सिस्टम, जो सिर्फ पावरफुल लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। ग्लोबल लीडरशिप अब सिर्फ दबदबे से तय नहीं होती। इसे पुल बनाने, भरोसा फिर से बनाने और तब स्थिरता देने से तय किया जाता है, जब दूसरे देश जीरो-सम सोच की ओर मुड़ जाते हैं। अलग-अलग तरीकों से, मोदी और कार्नी एक ही काम कर रहे हैं-चुपचाप एक नए ग्लोबल ऑर्डर का ब्लूप्रिंट बना रहे हैं।-लवलीन गिल

जय मां शेरावाली सेवा समिति द्वारा माताजी की विशाल चौकी का आयोजन किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जय मां शेरावाली सेवा समिति द्वारा रविवार को मरोल के चिम्मट पाड़ा स्थित वीर अब्दुल हमीद मैदान में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी माताजी के विशाल चौकी का आयोजन किया गया। शाम 5 बजे ज्योति प्रज्वलन के साथ माताजी के चौकी की शुरूआत हुई उसके बाद रात 10 बजे तक विनय शर्मा एंड ग्रुप द्वारा माताजी का बड़ा ही मनमोहक भजन और झाकियां प्रस्तुत की गई जिसे सुनने और देखने के लिए हजारों माता भक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे। रात 10 बजे प्रसाद व महा भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समिति के अध्यक्ष अनुज शर्मा और महिला अध्यक्षा ममता राकेश शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी मेहमानों का राम नामी शाल पहनाकर स्वागत किया। ममता शर्मा ने सभी मेहमानों और कार्यक्रम में उपस्थित माता भक्तों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जय मां शेरावाली सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने भरपूर योगदान दिया।

स्त्रीरोग विशेषज्ञ संस्था की राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष बनीं डा. सुप्रिया अरवारी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञों की सर्वोच्च राष्ट्रीय संस्था फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफ ओ जी एस आई) की किशोर स्वास्थ्य समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भिवंडी की वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ डा. सुप्रिया अरवारी का चयन किया गया है। उनके चयन से चिकित्सा जगत में हर्ष का माहौल है और अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों ने उन्हें बधाई दी है। दिल्ली में संस्था के पदाधिकारियों की उपस्थिति में उन्होंने हाल ही में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर डा. सुप्रिया अरवारी ने कहा,

ह्लभिवंडी जैसे छोटे शहर से चिकित्सा सेवा की शुरूआत कर, निर्विरोध चयन के साथ समिति की सदस्य से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने तक का मेरा सफर अत्यंत संतोषजनक रहा है। किशोर स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने का अवसर देने के लिए मैं भिवंडी एवं ठाणे ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी सहित मेरे मार्गदर्शकों और सहयोगियों की आभारी हूं। देशभर के स्त्रीरोग विशेषज्ञों की प्रमुख राष्ट्रीय संस्था के माध्यम से किशोर स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है।ह्व डा. अरवारी की इस उपलब्धि से भिवंडी शहर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

डोंबिवली के पिंपलेश्वर महादेव मंदिर से चांदी का कलश चोरी

चेतन निर्मल/डोंबिवली। डोंबिवली के पिंपलेश्वर महादेव मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर से चांदी का कलश चुरा लिया, जिसके बाद इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। चोरी की इस घटना से श्रद्धालुओं में काफी रोष देखा जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, डोंबिवली पूर्व के एमआईडीसी सांगाव स्थित मुरार बाग परिसर स्थित पिंपलेश्वर महादेव मंदिर का दरवाजा खुला होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने अंदर प्रवेश किया और मंदिर की पिंडी पर रखा चांदी का कलश चोरी कर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। मंदिर परिसर में हुई इस चोरी की घटना से स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं में नाराजगी और चिंता का माहौल है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रस्ते के काम को लेकर महेश गायकवाड़ केडीएमसी अधिकारी पर भड़के

कल्याण। कल्याण पूर्व में रस्ते के काम को लेकर शिंदे सेना के नगरसेवक महेश गायकवाड ने प्रभाग अधिकारी उमेश यमगर भड़के गायकवाड ने आरोप लगाया कि बिल्डर के फायदे लिए रस्ते का काम नही किया जा रहा , जिससे नागरिकों को परेशानी हो रही है। उन्होंने प्रभाग अधिकारी को अँक्शन मोड में आने की चेतावनी दी और कहा कि अगर काम नहीं हुआ तो उन्हें खुर्ची से उतार दिया जाएगा इतना ही नही अधिकारी पर कालीक पोतने से भी पीछे नहीं हटेंगें। मिली जानकारी के अनुसार तिसगाव पाडा बौद्ध विहार परिसर में रस्ते का काम अधूरा है, जो आगे 100 फूट रस्ते से जुड़ना है। इस रस्ते का काम कई दिनों से अधूरा बनाया गया है, जिससे नागरिकों को परेशानी हो रही है। नगरसेवक गायकवाड ने सोमवार को प्रभाग अधिकारी के साथ निरीक्षण किया और कहा कि नागरिकों ने हमें वोट दिया है, उनकी रस्ते के लिए बिल्डर को फायदा पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने प्रभाग अधिकारी को चेतावनी दी कि अगर काम नहीं हुआ तो उन्हें खुर्ची से उतार दिया जाएगा। प्रभाग अधिकारी यमगर ने आश्वासन दिया कि रस्ते का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा।

मुंबई और नवी मुंबई के हाउसिंग सोसायटियों में शुरू होगी डीक्लटरिंग ड्राइव

मुंबई। मुंबई और नवी मुंबई के निवासी अब अपने घरों को व्यवस्थित करने और बच्चों के लिए समझदारी से खरीदारी करने का एक नया तरीका अपनाएंगे। बच्चों के उत्पादों की खरीद-बिक्री करने वाले देशव्यापी प्लेटफॉर्म सेकेंड हग्स ने भारत के अग्रणी कम्युनिटी मैनेजमेंट ऐप माइगेट के साथ हाथ मिलाया है।

खावड़ा परियोजना द्वारा गोवर्धन स्किल सेंटर में मुफ्त सेफ्टी स्टुअर्ड प्रशिक्षण की शुरूआत, युवतियों का उत्साहजनक सहभाग

पालघर (उत्तरशक्ति)। खावड़ा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड एवं गोवर्धन स्किल सेंटर, गलतारे के संयुक्त तत्वावधान में गोवर्धन कौशल केंद्र में मुफ्त सेफ्टी स्टुअर्ड (सेफ्टी सुपरवाइजर) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सवरा उपस्थित रहे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को युवतियों से विशेष रूप से अच्छा प्रतिसाद मिला है। कुल 18 प्रशिक्षणार्थियों में 16 युवतियां एवं 2 युवक शामिल हैं। उपस्थित अतिथियों ने महिलाओं की इस भागीदारी को कौशल विकास और रोजगार के प्रति बढ़ते सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतीक बताया। खावड़ा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड वर्तमान में पालघर और ठाणे जिलों में उच्चदाब विद्युत ट्रांसमिशन परियोजनाओं का संचालन कर रही है। कंपनी स्थानीय युवाक व युवतियों को कौशल आधारित रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण पहल चला रही है। सेफ्टी स्टुअर्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण परियोजनाओं, कारखानों, गोदामों, मॉल्स और विभिन्न आयोजनों में सुरक्षा नियमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में उपयोगी है। प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा, जिससे उन्हें औद्योगिक और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उद्घाटन के बाद सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण किट वितरित की गई। इस अवसर पर खावड़ा पावर ट्रांसमिशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निनाद पितले, परियोजना प्रमुख रमेश कोटणी, दिपेन घोष, सीएसआर प्रबंधक श्रुति शुक्ला, गोवर्धन इकोविलेज के वेदश्री नारद प्रभू तथा गोवर्धन स्किल सेंटर के प्राचार्य आनंद गोसावी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संकल्प चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित शिवमहापुराण कथा सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर मुंबई के लोकप्रिय जन सेवक गोपाल शेट्टी जी के मार्गदर्शन में आयोजित 9 दिवसीय शिवमहापुराण कथा का समापन 08 फरवरी 2026 को देवीपाडा ग्राउंड बोरीवली में हुआ। इस भव्य आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और 09 फरवरी को पूर्णाहुति के साथ महाप्रसाद का लाभ लिया। कथा व्यास पंडित श्याम सुन्दर दास महाराज के मुखारविंद से शिव महापुराण कथा का श्रवणपान सभी कथा प्रेमियों ने किया। संस्था अध्यक्ष शिवदयाल मिश्रा के नेतृत्व में कथा का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागेन्द्र मिश्रा, रवि पाठक, सुभाष तिवारी, शर्मिला पाठक, राजेश मिश्रा, डॉ संजय उपाध्याय, धीरूभाई चौहान, नरेन्द्र पांडे, सत्यनारायण तिवारी, रमेश गौड़, हरीश तिवारी, घनश्याम शुक्ला, राजेश मौर्या, अक्षय उपाध्याय, मंगल रावत, अरुण पाठक, हर्षित पाठक, विकास तिवारी, हरीश तिवारी, संजय प्रसाद, घनश्याम शुक्ला, हर्षवर्धन मिश्रा सहित अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्वांचल विकास परिवार ने किया समाजवादी कुटिया के संस्थापक ऋषि यादव का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक डॉ. द्रिगेश यादव के नेतृत्व में आज समाजवादी कुटिया, जौनपुर के संस्थापक ऋषि यादव के मुंबई आगमन पर पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी कार्यकताओं द्वारा विले पार्ले पूर्व स्थित कार्यालय पर बहुत ही भव्य स्वागत सम्मान किया। डॉ दुर्गेश यादव ने शॉल, पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया । डॉ द्रिगेश यादव ने कहा कि समाजवादी कुटिया लोगों को समरसता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दे रही है।

इस अवसर संस्था के राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यादव , उपाध्यक्ष बृजेश यादव, राष्ट्रीय सचिव विमलेश यादव, कवि जौनपुरिया सतीश यादव, मिमिक्री आर्टिस्ट विजय यादव, रमाकांत यादव, मुकेश यादव ,जोगेंद्र यादव समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

भिवंडी में ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा नेशनल लेवल मास्टर कप 2026 का किया गया भव्य आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ब्रेव्ह यूथ मार्शल आर्ट्स असोसिएशन भिवंडी की तरफ से आयोजित ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट नेशनल लेवल मास्टर कप 2026 प्रतियोगिता बड़े उत्साह और सफल आयोजन के साथ संपन्न हुई। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कुंग फू, कराटे, जुडो, तायक्वांडो, योगा और पिरामिड जैसे विभिन्न खेलों को शामिल किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित कुल 7 राज्यों के लगभग 500 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पोट्टाबट्टिनी रामकृष्ण (अध्यक्ष, अखिल पद्मशाली समाज), श्रीनिवास वल्लाल (उपाध्यक्ष, अखिल पद्मशाली समाज), पूर्व नगरसेवक दिनेश पाटिल, उबाठा गुट भिवंडी शहर अध्यक्ष प्रसाद (भाई) पाटील, समाजसेवक कोंडी मल्लेशम, आर. वी. पवार स्कूल व जूनियर कालेज के प्राचार्य श्री विजय दलाल, एपेक्स मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल के डा. विजयकुमार मौर्य एवं डा. किरण विजयकुमार मौर्य, तेजस श्रीनिवास वल्लाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए

बीटी गायकवाड इंग्लिश मीडियम स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। द्वितीय स्थान मास्टर पर महाराष्ट्र कुंग फू डो असोसिएशन के अध्यक्ष अमोल टी साल्वी, तृतीय स्थान पर रॉयल इंटरनेशनल स्कूल, डोंबिवली आदि के साथ विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुये अन्य पुरस्कार प्राप्त किया । इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के मुख्य आयोजक ग्रैंड मास्टर डा. राजाराम लक्ष्मीनारायण देवसानी (संस्थापक व अध्यक्ष) रहे।

ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट आफ इंडिया के सेक्रेटरी ग्रैंड मास्टर अशोक लक्ष्मीनारायण देवसानी, इंचार्ज मिथुन च. भोई, मैनेजिंग डायरेक्टर भरत एल. देवसानी, उपाध्यक्ष शशिकांत यू. दलाल एवं डा. विजयकुमार मौर्य आदि लोगों का सफल प्रयास रहा है। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, सदस्यों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों का संस्था के अध्यक्ष ने आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का मेडिकल कॅम्प आरोग्य शिविर सम्पन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर मुंबई व्यापारी सेल आयोजित फ्री चेक अप कॅम्प अत्यंत सफलता पुर्वक संपन्न हुआ। उत्तर मुंबई भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक नरेंद्र राठौड़ ने बताया कि,

इस शिबिर मे १५ मोतिबिंदू के मरीज की जांच और पुष्टि की गई है। अब आगे इन्हें मुफ्त ओपरेशन की व्यवस्था की गई है। अन्य BMD टेस्ट, ENT टेस्ट, फिजिशियन महिला स्पेशालिस्ट, मुफ्त ब्लड शुगर टेस्ट, बाकी ब्लड टेस्ट स्वस्त दर मे कीये गये। सभी सेवा का लाभ बडी संख्या मे नागरिको ने लिया इस कार्यक्रम मे विशेष उपस्थिती विधायक योगेश सागर, महानगर पालिका गट नेता गणेश खणकर, जिल्हा अध्यक्ष दिपक तावडे, वरिष्ठ नेता आर. यु. सिंह, विनोद शेलार, नगरसेवक शिवकुमार झा, तेजिंदर तिवाना, योगिता कोळी, जितेंद्र पटेल, संजय कांबळे, सिध्दार्थ शर्मा, स्वाती जयस्वाल, निलम गुरव, योगिता पाटील जिल्हा महामंत्री आप्पा बेळवळकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जिल्हा व्यापारी सेल अध्यक्ष नरेंद्र राठोड ने किया था। डॉ. आशीष जैन, डॉ.पूजा शाह, डॉ.मनीष जोशी, डॉ.शशांक, डॉ.सिरोया आदि चिकित्सकों ने अपनी सेवा दी। मलाड पश्चिम के उन्देराई मार्ग के मयूरेश्वर अपार्टमेंट में आयोजित इस कार्यक्रम में पुनित गोडा, अल्पेश जोशी, भवरसिह बालीया, धवल चरला, रूपेश कश्यप, प्रतिक मेहता, महेश राठोड, आनंद बहल, विवेक शेठ, सतिश पुरोहित, ललीत व्यास, शिवमिलन सोनी,राधिका चोबे, मनिष जैन, विशाल बेडेकर, कृणाल तिवारी, ललित व्यास, विक्रम सिंह, राजपुरोहित, विक्रम घाटे,संजय सावंत, हरेश सरवैया, गुंजन खंडेलवाल आदि ने कार्यक्रम सफल करने मे विशेष प्रयत्न किये।

क्रेडाई ने स्थिरता व कौशल्य विकास को दिया बढ़ावा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का शीर्ष संगठन, द कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (क्रेडाई), अपनी सीएसआर फाउंडेशन और सदस्य नेटवर्क के माध्यम से पश्चिमी घाट के क्षतिग्रस्त क्षेत्रों में अपने प्रमुख पारिस्थितिक वनीकरण अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत कर रहा है। इस चरण में 700 एकड़ भूमि के पुनर्स्थापन से कार्यारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही, संगठन ने अपने रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग प्रमाणन को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले कुशल निर्माण श्रमिकों का सम्मान किया, जिससे उनके अनुभव, कौशल और क्षेत्र में योगदान को औपचारिक मान्यता मिली।

क्रेडाई का वनीकरण अभियान, जिसकी शुरूआत पिछले वर्ष नासिक से हुई, 25 गांवों में लगभग 9,000 एकड़ क्षतिग्रस्त वन भूमि पर करीब 20 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखता है। यह पहल राह फाउंडेशन और महाराष्ट्र जिला प्रशासन के सहयोग से, राज्य सरकार की हरित पुनर्जीवन प्राथमिकताओं के अनुरूप, जन-जागरूकता और सतत विकास प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए क्रियान्वित की जा रही है। इसके लिए नासिक के जिला कलेक्टर के साथ दो एमओयू भी किए गए हैं। क्रेडाई अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच पश्चिमी घाट का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। वनीकरण अभियान के दूसरे चरण के माध्यम से संगठन विज्ञान-आधारित देशी प्रजाति रोपण, सामुदायिक भागीदारी और कठोर निगरानी के जरिए जैवविविधता पुनर्जनन, भूजल रिचार्ज, मृदा स्वास्थ्य सुधार, जलवायु लचीलापन और स्थानीय आजीविका को सुदृढ़ कर रहा है। पश्चिमी घाट की संवेदनशीलता को देखते हुए क्रेडाई नासिक जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभा रहा है। अब तक 3,500 एकड़ से अधिक भूमि का पुनर्स्थापन किया जा चुका है, जिसमें मिट्टी तैयारी, जल-संचयन उपाय, बहुवर्षीय सर्वाइवल मॉनिटरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट और समुदाय की सक्रिय भागीदारी शामिल है, जिससे दीर्घकालिक पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ सुनिश्चित होते हैं। साथ ही, क्रेडाई ने पद्धछ कार्यक्रम के तहत प्रमाणित निर्माण श्रमिकों का सम्मान किया, जो वर्षों के अनौपचारिक अनुभव को ठरदक्ष अनुरूप, उद्योग-मान्य प्रमाणन में परिवर्तित करता है। 10-दिवसीय लर्न-व्हाइल-यू-अर्न मॉडल में प्रशिक्षण बिना मजदूरी नुकसान के दिया जाता है, और प्रमुख निर्माण ट्रेड्स को कवर किया जाता है। संगठन आने वाले वर्षों में 50,000 श्रमिकों के प्रमाणन का लक्ष्य रखता है। प्रतिभा विकास को आगे बढ़ाते हुए, क्रेडाई का जूनियर इंजीनियरिंग प्रोग्राम युवा सिविल इंजीनियरों को व्यावहारिक कौशल प्रदान करता है, जबकि IIM अहमदाबाद के RED-L और IIM बैंगलोर के BLP जैसे नेतृत्व कार्यक्रम डेवलपर्स को रणनीतिक और तकनीकी क्षमता से सशक्त बनाते हैं। ये सभी पहलें विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के संतुलन को मजबूत करते हुए विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप समावेशी और सतत विकास को आगे बढ़ाती हैं।

रिक्शा स्टैंड पर अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर मनपा मुख्यालय के सामने लालबावटा रिक्शा चालकों का धरना आंदोलन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के मंडई क्षेत्र में स्थित रिक्शा स्टैंड परिसर में पुलिस चौकी के सामने अवैध रूप से टपरियां लगाए जाने से रिक्शा खड़ी करने की जगह नहीं बची है। इस समस्या को लेकर लालबावटा रिक्शा चालक-मालक यूनियन के प्रमुख कॉमरेड सुनील चव्हाण के नेतृत्व में भिवंडी महानगरपालिका मुख्यालय के सामने एक दिवसीय धरना आंदोलन किया गया। मंडई क्षेत्र में अनधिकृत रूप से लगाई गई टपरियों के कारण रिक्शा स्टैंड की जगह संकुचित हो गई है, जिससे रिक्शा चालकों को वाहन खड़ा करने में भारी परेशानी हो रही है। इसके चलते इलाके में अक्सर यातायात जाम की स्थिति भी बन रही है। इस समस्या को लेकर यूनियन की ओर से पिछले एक वर्ष में पांच बार पालिका प्रशासन से पत्राचार किया गया, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पालिका प्रशासन की उदासीनता से नाराज रिक्शा चालक आंदोलन के लिए मजबूर हुए हैं।

धरना आंदोलन के दौरान कॉमरेड सुनील चव्हाण ने चेतावनी दी कि जब तक मंडई स्थित अवैध टपरियों पर कार्रवाई कर रिक्शा स्टैंड की जगह खाली नहीं कराई जाती, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में रिक्शा चालक-मालिक शामिल हुए।

समाजवादी पार्टी के नगरसेवक जनमत का सम्मान करते हुए सेक्युलर फ्रंट में शामिल हों: सांसद सुरेश म्हात्रे

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी की जनता ने धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाली पार्टियों के उम्मीदवारों को स्पष्ट जनमत दिया है। इसी को ध्यान में रखते हुए समाजवादी पार्टी के निर्वाचित छह नगरसेवकों को कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) पार्टी के साथ गठित भिवंडी सेक्युलर फ्रंट में शामिल होकर कांग्रेस के महापौर पद के उम्मीदवार को समर्थन देना चाहिए। इसके बदले उन्हें उपमहापौर पद देने के लिए हम तैयार हैं, ऐसा आवाहन भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने पत्रकार परिषद में किया। सांसद म्हात्रे ने चेतावनी भी दी कि यदि आगामी दो दिनों में इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया, तो राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) पार्टी के नगरसेवक और पदाधिकारी एकत्र होकर कोई अलग निर्णय ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि भिवंडी के मतदाताओं ने धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाली कांग्रेस (30), राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) (12) और समाजवादी पार्टी (6) को भारी समर्थन दिया है। इसी जनादेश के आधार पर पार्टी नेतृत्व ने भिवंडी सेक्युलर फ्रंट की स्थापना की, लेकिन समाजवादी पार्टी के नगरसेवकों के फ्रंट में शामिल न होने से सत्ता गठन में अड़चन पैदा हो गई है। परिणामस्वरूप महापौर पद के लिए आवश्यक बहुमत का गणित अटक गया है। इस राजनीतिक गतिरोध को सुलझाने के लिए सांसद सुरेश म्हात्रे ने स्वयं पहल करते हुए समाजवादी पार्टी के छह नगरसेवकों से सेक्युलर फ्रंट में शामिल होने की अपील की है। खास बात यह है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के 12 नगरसेवक होने के बावजूद, केवल 6 नगरसेवकों वाली समाजवादी पार्टी को उपमहापौर पद देने की पेशकश की गई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अगले दो दिनों में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं आता है, तो पार्टी के शहर अध्यक्ष शोएब खान सभी 12 नगरसेवकों के साथ चर्चा कर पार्टी की ओर से उचित और वैकल्पिक निर्णय लिया जाएगा। साथ ही सांसद म्हात्रे ने यह भी साफ कहा कि छोटे दलों के साथ जाने का विकल्प स्वीकार्य नहीं होगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार घायल, हालत गंभीर जिला चिकित्सालय रेफर

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत निजामपुर गांव के समीप सड़क दुघर्टना में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। क्षेत्र के निजामपुर गांव के समीप रविवार की रात खुटहन थाना क्षेत्र के नोनिया पट्टी गांव निवासी 55 वर्षीय संता चौहान पुत्र इन्द्रजीत चौहान अपनी बाइक से घर जा रहें थे कि जैसे ही निजामपुर तिराहे के समीप पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से उक्त घायल को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

खुटहन पुलिस ने तंमचा कारतूस के साथ एक शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष खुटहन के नेतृत्व में उ0नि0 जयकृष्ण यादव मय हमराह की सहायता से चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान, राजन सोनकर पुत्र राजेन्द्र सोनकर निवासी चौरी बाजार मझगवां कला, थाना जलालपुर, जनपद जौनपुर को कब्जे से एक तमंचा .315 बोर व एक मिस कारतूस .315 बोर के साथ भटपुरा मोड़ ग्राम भटपुरा से दिनांक 09.02.2026 को समय 00.15 बजे रात्रि में नियमानुसार गिरफ्तार करते हुये हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तार शुदा आरोपी उपरोक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-24/26 धारा-3/25 शस्त्र अधि0 पंजीकृत किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये समक्ष मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है।

दो पहिया वाहन की भिड़ंत में एक की मौत, एक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के गांव के हरी मोड़ पर बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि सोमवार उक्त थाना क्षेत्र के नवली गांव निवासी चंदन राजभर 21 वर्ष पुत्र कैलाश इसी गांव के नीतीश उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्र नरेंद्र करीब 11:00 बजे बाइक में पेट्रोल भराने जा रहे थे। इसी दौरान गांव के हरी मोड़ के पास सामने से आ रही बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। जिसके चलते बाइक सवार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और 108 नंबर एंबुलेंस कर्मचारीयों के सहयोग से दोनों को जिला अस्पताल लाया जा रहा था। तभी रास्ते में चंदन की मौत हो गई। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहरा मच गया।

नई दिल्ली जंतर-मंतर से मोहम्मद आजम खान व अब्दुल्ला आजम खान को इंसाफ दिलाने के लिए

तथाकथित फर्जी मुकदमों के विरोध में उठाई गई मजबूत आवाज

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली बाबा साहेब अम्बेडकर विचार मंच के तत्वावधान में, भारत किसान यूनियन, नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड जस्टिस मूवमेंट, हिन्दुस्तान उद्योग व्यापार मंडल, मदर टेरेसा फाउंडेशन तथा देशभर के अन्य सहयोगी संगठनों के संयुक्त आह्वान पर आज दिनांक 8 फरवरी 2026 को प्रातः 10 बजे जंतर-मंतर, नई दिल्ली पर एक विशाल एवं शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश में न्याय, समानता, सामाजिक समरसता तथा संवैधानिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करना रहा।

धरने के दौरान अम्बेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम खान तथा उनके परिवार से जुड़े मामलों को लेकर आवाज उठाई और निष्पक्ष जांच एवं मानवाधिकारों की रक्षा हेतु तीन-सूत्रीय मांगों के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मुख्य तीन-सूत्रीय मांगें:

मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम खान, उनके परिवार एवं जौहर यूनिवर्सिटी, रामपुर से संबंधित सभी मुकदमों को उत्तर प्रदेश से बाहर किसी अन्य राज्य में स्थानांतरित किया जाए, ताकि निष्पक्ष एवं स्वतंत्र न्याय सुनिश्चित हो सके। मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया से अनुरोध है कि लगभग 350 मुकदमों की जांच हेतु सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (SIT) गठित कर 6 माह के भीतर निष्पक्ष जांच कराई जाए। मोहम्मद आजम खान एवं अब्दुल्ला आजम खान को रामपुर जेल में मानवीय गरिमा के अनुरूप सोने हेतु चौकी/चारपाई उपलब्ध कराई जाए तथा नियमानुसार A-Closs सुविधाएं प्रदान की जाएं।

यह ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति महोदया, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, कानून एवं न्याय मंत्री, राज्यपाल उत्तर प्रदेश, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव (गृह), महानिदेशक पुलिस (DGP) उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी रामपुर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामपुर को मोहम्मद अरशद खान (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अम्बेडकर विचार मंच) तथा कमलकांत बौद्ध (राष्ट्रीय समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर मोहम्मद अरशद खान, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भारतीय, मोहम्मद अब्बास (पूर्व मंत्री), समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद दानिश डी.के., समाजवादी पार्टी अंबेडकर सभा के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद खालिद महासचिव) द्वारा सौंपा गया।

धरना को संबोधित करते हुए खान, श्याम किशोर (तमिलनाडु), नीलम सिंह यादव, अनीस अंसारी, अम्बेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमलकांत पासी, सतीश कुमार साहसी (एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट) सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

धरने में लगभग पाँच से छह सौ लोग उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम खान और उनके परिवार को जब तक इंसाफ नहीं मिल जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी लड़ाई लड़ेंगे।

अंत में मोहम्मद अरशद खान ने घोषणा की कि 9 मार्च 2026 को पूरे देश से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट को ई-मेल के माध्यम से ज्ञापन भेजा जाएगा। इसके पश्चात 23 मार्च 2026 को जंतर-मंतर, नई दिल्ली पर एक और विशाल एवं शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने किया विद्यालय पर हंगामा, बनाया बंधक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जिले में पिसौर स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा छात्राओं से छेड़खानी करने का मामला सामने आया है। आरोप लगाते हुए नाराज परिजनों व ग्रामीणों ने सोमवार को विद्यालय पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। लोगों ने प्रधानाध्यापक को विद्यालय के अंदर बंधक बना लिया। घटना की जानकारी होते ही डीसीपी वरुणा जोन, एसीपी रोहनिया, एसीपी कैंट समेत तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। नाराज लोगों को समझाते हुए मामले को शांत कराया। इस दौरान लोग आरोपी प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते रहे। आरोप है कि तीन छात्राओं के साथ प्रधानाध्यापक ने छेड़खानी की। घटना शनिवार की बताई जा रही है। कल रविवार होने की वजह से स्कूल बंद था। सोमवार की सुबह से क्षेत्र के नागरिक स्कूल के प्रधानाध्यापक का इंतजार कर रहे थे। स्कूल के प्रधानाध्यापक को आते ही सुबह 9 बजे के करीब मारपीट करते हुए उनको बंधक बना लिया और पुलिस को सूचना दी।

शहर में बेधड़क हो रहा ऊँची इमारतों का निर्माण

मानकों की उड़ रही धज्जियाँ, सुरक्षा पर बड़ा सवाल

नक़्शा स्वीकृति के बिना पाँच से नौ मंज़िल तक की बिल्डिंगें खड़ी, संकरी गलियों में नहीं पहुँच पाएगी फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका क्षेत्र में बहुमंज़िला इमारतों का तेजी से फैलता निर्माण अब शहर की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करने लगा है। शास्त्री नगर, पुलिस लाइन और कलेक्ट्री जैसे संवेदनशील इलाकों में बिना स्वीकृत नक़्शे और निर्धारित मानकों के विपरीत पाँच से नौ मंज़िल तक की ऊँची-ऊँची इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। यह स्थिति न केवल नियमों की अनदेखी का स्पष्ट उदाहरण है, बल्कि भविष्य में किसी भी संभावित दुर्घटना का खतरा भी बढ़ा रही है।

स्थानीय लोगों की मानें तो कई इमारतें इतनी संकरी गलियों में बनाई गई हैं जहाँ न तो बिजली के खंभे लगे हैं और न ही आवश्यक जगह छोड़ी गई है। ऐसे में यदि किसी आपदा की स्थिति पैदा होती है, तो फायर ब्रिगेड का पहुँचना लगभग असंभव होगा। एंबुलेंस जैसी जीवन रक्षक सेवाओं के लिए भी इन इलाकों तक समय से पहुँचना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा, जो किसी भी बड़ी दुर्घटना में स्थिति को और भयावह बना सकता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि पुलिस लाइन जैसे अति महत्वपूर्ण क्षेत्र में प्रायः हेलीकॉप्टर का आवागमन होता रहता है। यहाँ अनियोजित तरीके से बनी बहुमंज़िला इमारतें भविष्य में हेलीकॉप्टर के सुरक्षित उतरने के लिए गंभीर बाधा बन सकती हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने भी इस ओर पहले कई बार संकेत दिए हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर यदि समय रहते निरीक्षण और कार्रवाई की जाती, तो आज शहर को इस अव्यवस्थित निर्माण के बोझ तले नहीं दबना पड़ता। अब भी यदि ऐसे निमार्णों की जाँच कर मानकविहीन बिल्डिंगों पर कार्रवाई की जाए, तो किसी बड़े हादसे से पहले शहर को सुरक्षित किया जा सकता है।नगर के बुद्धिजीवियों और रहवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अवैध निमार्णों पर तुरंत रोक लगाई जाए और पहले से खड़ी असुरक्षित इमारतों की जाँच कर आवश्यक कदम उठाए जाएँ, ताकि शहर का भविष्य सुरक्षित रह सके।

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम काटने का लगाया आरोप

भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग मतदाताओं का सूची से काट रहा है नामः डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में विभिन्न स्थानों से भाजपा के बूथ कार्यकताओं द्वारा जबरन बीएलओ के उपर दबाव बनाकर जाति विशेष का नाम मतदाता सूची से काटे जाने की सूचना से आक्रोशित कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधि मंडल जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी जौनपुर से मिल तत्काल कार्यवाही किए जाने की मांग करते हुए पत्रक सौंपा। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग भाजपा का ऐजेंट बन गया, भाजपा के लोग जो कह रहे हैं वहीं खुलेआम किया जा रहा है, इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता समाप्त हो गयी है। डा.प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि भाजपाइयों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से जाति विशेष और गैर भाजपाई मतदाताओं का साजिशन फार्म सात भरवाये जाने का मामला सामने आ रहा है, सत्ताधारी दल के कार्यकताओं द्वारा बीएओ के ऊपर गैर भाजपाई मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से निकालने का दबाव बनाया जा रहा है ? डा.प्रमोद सिंह ने जिलाधिकारी से मांग किया कि तत्काल प्रकरण की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए जिससे भविष्य में निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके। शहर अध्यक्ष आरिफ खान, सत्यवीर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, इरशाद खान, जयप्रकाश मिश्रा, आरिफ सलमानी, जय मंगल यादव, अनिल सोनकर, होजैफा खान अधिवक्ता शैलेंद्र यादव सहित सैकड़ों काँग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामवासी मौजूद रहे।

जे.पी.एल. लीग क्रिकेट टूनार्मेंट सीजन फर्स्ट का खिताब ए.एम. सनबीम जौनपुर ने जीता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन कॉलेज ग्राउंड जौनपुर में चल रही जौनपुर प्रिमियम लीग क्रिकेट टूनार्मेंट में आज एस.एस.सी. को फाइनल मैच में ए.एम. सनबीम जौनपुर ने नौ विकेट से पराजित किया और विजेता बनी टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए एस एस सी टीम मात्र 28 रन पे ऑल आउट हो गए। जिसमें कोई बल्लेबाज डबल फिगर में प्रवेश कर सका

सनबीम जौनपुर की तरफ से शुभम ने चार और नमन ने दो विकेट लिया जवाब में नमन नाबाद 17 रन की पारी से सनबीम सिर्फ पांचवे ओवर में ही 29 रन बना के खिताब और दो लाख कैश मनी प्राप्त किया उप विजेता टीम को शीशे की ट्रॉफी और 1 लाख कैश मनी पुरस्कार मिला प्लेयर ऑफ द मैच शुभम को दिया गया जबकि बेस्ट बॉलर शुभम बने बेस्ट बैटर दीपक बने प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट नमन सिंह आदर्श को चुना गया। मैच रेफरी और थर्ड अंपायर शौजब हुसैन थे जबकि मैदानी अंपायर रवि मिश्रा देवरिया और अखिलेश शर्मा बलिया थे कॉमेंटेटर के रूप में तालिब सिद्दीकी और सलमान शेख थे आयोजक अबुजर खान, हैप्पी साबिर, अजमल, जुलफि कार अली थे। जबकि चीफ गेस्ट विमलेश जी लक्ष्य गुप्ता और जौनपुर जिलाधिकारी दिनेश चंद सिंह विशिष्ट अतिथि नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह थे स्पेशल गेस्ट मनोज अग्रहरि जी थे पूरे पांच दिन जे पी ल जौनपुर में चर्चा का विषय बना रहा। दर्शकों के हुजूम ने पूरे टूनार्मेंट में शमा बांधा रक्खा पूरे टूनार्मेंट में लाइव मैच हुआ और थर्ड अंपायर भी मौजूद रहे डी.आर.एस. का भी खूब खिलाड़ियों ने उपयोग किया लास्ट में चीफ आयोजक अबुजर ने सभी का थैंक और स्वागत किया।

मोहम्मद हसन पीजी कालेज जौनपुर में पाँच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कालेज जौनपुर में एन.सी.टी.ई. पाठ्यक्रमानुसार पाँच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ किया गया। जिसमे कालेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने योग शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कहा कि हमारे दैनिक जीवन मे योग की बहुत उपयोगिता है यदि हमे स्वस्थ और खुशहाल जीवन व्यतीत करना है तो हमें योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करना होगा। योग शिविर के योग प्रशिक्षक राज यादव राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय आरा जौनपुर ने बी एड बिभाग के छात्राध्यापकों एवम छात्राध्यापिकाओं को योगिंग जॉगिंग, सूर्य नमस्कार, बृक्षासन, ताड़ासन, दण्ड बैठक सहित तमाम आसनों के साथ साथ भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति प्राणायाम, वाह्य प्राणायाम, अनुलोम विलोम सहित समस्त प्राणायामो का विधिवत अभ्यास कराते हुए बताया कि योग के नियमित अभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है, जिसमें शक्ति, लचीलापन, संतुलन बढ़ाना और तनाव-चिंता कम करना शामिल है। यह शरीर के जोड़ों के दर्द, हृदय स्वास्थ्य, चयापचय और बेहतर नींद में सहायक है, साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है।

इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ.सुनील दत्त मिश्र, डॉ. प्रज्वलित यादव, डॉ.आशीष श्रीवास्तव, डॉ.संतोष यादव, डॉ.गुलाब मौर्य,डॉ. जीवन यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हाजी अनीस अहमद के निधन पर हुआ शोकसभा का आयोजन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष आरिफ खान के पिता हाजी अनीस अहमद खान के निधन पर तंदूरी दरबार बैंकवेट हाल में जिला कांग्रेस कमेटी एवं अंजुमन रहिमिया के तत्वावधान में शोकसभा एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रोग्राम की शुरूआत तिलावत ए कुरआन से हाफिज एहसान खैराबादी ने किया। नात ए पाक अजीम जौनपुरी ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कारी जिया जौनपुरी ने की। उन्होंने हाजी अनीस को खिराजे अकीदत पेश करते हुए कहा कि मरहूम अत्यंत सरल,मिलनसार और निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले व्यक्ति थे। समाज के हर वर्ग की मदद के लिए वे हमेशा तत्पर रहते थे उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरिफ खान ने कहा कि मेरे पिता ने हमेशा सच्चाई व ईमानदारी का पाठ पढ़ाया है आज वो हमारे बीच भले ही नहीं हैं मगर उनकी दी हुई शिक्षा आज भी मेरे साथ साथ हैं। और उनका स्थान कभी कोई नहीं ले सकता। इस दौरान आरिफ खान ने निर्माणधीन वृद्धाश्रम में अपने पिता की याद में चेक के माध्यम से सहयोग राशि उपलब्ध कराई और साथ ही उपस्थित लोगों से भी सहयोग का आह्वान किया।

इस अवसर पर मास्टर शमीम अहमद,इरफान जौनपुरी, अनिल दुबे आजाद, सत्यवीर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, वीरेंद्र निषाद एडवोकेट, अबुजर अंसारी, अकरम जौनपुरी, असीम मछली शहरी, मुस्तइन जौनपुरी, अंसार जौनपुरी, अनवार अहमद कासमी, अहमद हफीज जौनपुरी, डॉक्टर प्रमोद सिंह, रवि चौबे, खलील इब्ने असर जौनपुरी, डॉक्टर शाहिद, डॉक्टर हसन, कमर जौनपुरी, इरशाद अहमद खान, हनीफ अंसारी, शाहनवाज मंजूर, संजय सिंह सागर, अजहर अंसारी वसीम मछलीशहरी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शायर अहमद अजीज गाजीपुरी ने किया।

गुरमा में पांच दिवसीय ग्रामीण क्रिकेट टुनार्मेंट का हुआ शुभारंभ

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। सदर विकासखंड के गुरमा-मारकुंडी स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में जिला जेल फार्म नम्बर एक खेल मैदान (प्ले ग्राउंड) में सोमवार को पांच दिवसीय ग्रामीण क्रिकेट टूनार्मेंट प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा चोपन मंडल अध्यक्ष भगवानदास उर्फ संजय केशरी के करकमलों द्वारा फीता काटकर किया गया।आयोजित पांच दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट में ग्रामीण स्तर की 16 टीमों ने भाग लिया है।उद्घाटन मैच में प्रथम दिन महुआंव कला और रजधन के बीच काफी रोमांचक रहा।क्रिकेट प्रतियोगिता दर्शक प्रेमियों में काफी उत्साह देखने को मिला तथा बीच-बीच में खिलाड़ियों का हौंसला अफजाई करते दिखे।इस तरह के समय समय पर ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतियोगिताओ से युवा खिलाड़ियों उत्साह वर्धन होता है।जिससे नवयुवक खिलाड़ियों का शारिरिक मांसिक बौधिक विकास के लिए खेल प्रतियोगिता आज के परिवेश आवश्यक है।इस मौके पर मुख्य रुप से आयोजक चंदन सिंह, ओमप्रकाश बादल, अमरनाथ पनिका, मसालू गिरी, रिशुपाल, बच्चा सिंह, विमलेश मौर्य, मनीष प्रताप सिंह, सुजीत कुमार, सुनील केशरी, सुबाष, पटेल, बड़क, आलोक, गगन, राजन, राजकुमार, किशन, नितिश कश्यप इत्यादि लोग उपस्थित थे।

लाइनबाजार पुलिस दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में 8 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा थाना अन्तर्गत ग्राम धन्नेपुर में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट के संबन्ध में अभियोग पंजीकृत कर 08 आरोपीगण को किया गया गिरफ्तार।

प्रभारी निरीक्षक थाना लाइन बाजार के नेतृत्व में थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा आज दिनांकः 08.02.2026 को थाना लाइन बाजार क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम धन्नेपुर में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट की गयी जिसके संबन्ध में वादी सत्यम मौर्या पुत्र जयसिंह मौर्या निवासी मीरपुर थाना लाइन बाजार जौनपुर के लिखित तहरीर पर थाना लाइन बाजार पर मु0अ0सं0-53/2026 धारा- 191(2), 191(3), 190, 109, 115(2), 352, 351(3) बीएनएस बनाम जयशंकर बिन्द उर्फ कलेन्दर बिन्द आदि 12 नफर के पंजीकृत हुआ । प्रकरण में थाना लाइनबाजार पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामित आरोपीगण में से 08 को 02 घण्टे मे ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया, विधिक कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तार आरोपीगण का विवण, जयशंकर उर्फ कलन्दर बिन्द पुत्र मंशाराम निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर। विजय शंकर उर्फ मूलेन्द्र निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर। धर्मेन्द्र बिन्द पुत्र बड़िहार निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर। राजन बिन्द पुत्र धर्मेन्द्र बिन्द निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर। आनन्द बिन्द पुत्र धर्मेन्द्र बिन्द निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर।

सुमित बिन्द पुत्र जलन्धर निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर। अमित उर्फ अंकित पुत्र जलन्धर निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर। नीलम पत्नी जयशंकर निवासी धन्नेपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर।

आतंकवादीयों का 'जेहाद' इस्लामी जेहाद नहीं, खुला फसाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुआ बम धमाका कोई मामूली खबर नहीं थी, बल्कि वह उस बीमार सोच का चेहरा था जो इंसानी जान को बेकार और नफरत को इबादत बना देती है। सजदे में झुके हुए लोग किसी जंग का हिस्सा नहीं थे, वे तो बस अपने रब से अमन और रहमत की दुआ करने आए थे, मगर वहीं वहशत ने खून बहाकर यह साबित कर दिया कि आतंकवाद का इस्लाम से कोई रिश्ता नहीं है।

आज आतंकवादी अपने जुर्म को जेहाद का नाम देकर पाक साबित करना चाहते हैं, जबकि इस्लाम में जेहाद का मतलब तलवार उठाना नहीं बल्कि जुल्म के खिलाफ खड़ा होना, अपने नफ़्स की बुराइयों से लड़ना और इंसाफ व अमन के लिए कोशिश करना है। अगर बेगुनाहों को मारना जेहाद होता तो इस्लाम की बुनियाद ही खून पर रखी जाती, मगर हकीकत यह है कि इस्लाम सब्र, रहम और इंसाफ से फैला है। कुरआन साफ तौर पर बताता है कि जिसने एक बेगुनाह को कत्ल किया उसने पूरी इंसानियत को कत्ल किया। फिर मस्जिद में नमाज पढ़ने वालों पर हमला करना जेहाद कैसे हो सकता है। यह तो सीधा फसाद है, जमीन पर तबाही फैलाना, समाज में डर और नफरत बोना।

मस्जिद अल्लाह का घर होती है। वहाँ खून बहाना सिर्फ.इंसानों पर नहीं बल्कि खुदा की हुर्मत पर हमला है। जो आदमी सजदे में पड़े इंसान को मार दे वह किसी मजहब का रखवाला नहीं हो सकता, वह सिर्फ. कातिल है। इस्लाम हर कदम पर जुल्म से रोकता है, मगर आतंकवादी हर कदम पर जुल्म ही करते हैं।

शिया और सुन्नी के नाम पर जो खून बहाया जा रहा है वह इस्लाम को अंदर से तोड़ने की साज़िश है। नबी करीम ने मुसलमान को मुसलमान का भाई बताया था, फिर भाई के जिस्म में बम बांध देना कौन सा दीन है। यह न मजहब है, न जेहाद, यह सिर्फ.शैतानी रास्ता है।

हकीकत यह भी है कि आतंकवादी इस्लाम की मदद नहीं कर रहे बल्कि उसे दुनिया में बदनाम कर रहे हैं। जब कहीं धमाका होता है तो इल्जाम पूरे मजहब पर आता है, जबकि जुर्म कुछ वहशी लोग करते हैं। उनका मकसद अमन खत्म करना, मुसलमानों को आपस में लड़ाना और इस्लाम को हिंसा से जोड़ देना है।

असल जेहाद आज यह है कि नफरत के खिलाफ आवाज उठाई जाए, मासूमों की जान बचाई जाए, इंसाफ का साथ दिया जाए और समाज में समझ और मोहब्बत फैलाई जाए। बम से नहीं, जमीर से लड़ा जाता है।

जो मस्जिद में धमाका करे वह चाहे कितने ही नारे लगाए, वह मुजाहिद नहीं बल्कि मुजरिम है। वह दीन का सिपाही नहीं बल्कि इंसानियत का दुश्मन है। इस्लाम अमन का पैगाम है और आतंकवाद उसकी सबसे बड़ी तौहीन।

(फिक्र मेरी, तर्तीब फन्नियात की)

जावेद जैदी समाज सेवी

घूसखोर पंडत फिल्म को लेकर नीरज पांडे का बयान

मुंबई। हमारी फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है। इसमें पंडत नाम सिर्फ एक काल्पनिक किरदार के लिए रखा गया है। यह कहानी किसी एक व्यक्ति के काम और उसके फैसलों पर आधारित है। इसका किसी भी जाति, धर्म या समुदाय से कोई संबंध नहीं है और न ही यह किसी का प्रतिनिधित्व करती है। एक फिल्ममेकर के रूप में, मैं अपने काम को जिम्मेदारी के साथ करता हूँ और हमेशा सोच-समझकर और सम्मान के साथ कहानियाँ पेश करता हूँ। यह फिल्म, मेरी पिछली फिल्मों की तरह, ईमानदारी से और केवल दर्शकों का मनोरंजन करने के उद्देश्य से बनाई गई है। हमें इस बात का एहसास है कि फिल्म के शीर्षक से कुछ दर्शकों के भावनाओं को ठेस पहुँची है, और हम उन भावनाओं का दिल से सम्मान करते हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, हमने फिलहाल फिल्म से जुड़ी सभी प्रचार सामग्री हटाने का फैसला किया है। हमारा मानना है कि फिल्म को पूरी तरह देखकर और कहानी को समझकर ही कोई राय बनाई जानी चाहिए, केवल कुछ हिस्से देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। मैं जल्द ही यह फिल्म दर्शकों के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हूँ।

शादी से पहले मातम: बारातियों की अनियंत्रित 2 कार नहर में गिरी, 2 युवकों की मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। संगम नगरी में रविवार देर शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। बारात जा रही दो कारें हादसे का शिकार हो गईं, जिससे शादी से पहले मातम छा गया है। हादसा इतना भीषण था कि एनडीआरएफ टीम व पुलिस बल को रेस्क्यू करने में 7 घंटे लग गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हादसे का सही कारण पता लगा रही है। नैनी थाना क्षेत्र निवासी लालजी शुक्ला के बेटे शुभम शुक्ला की बारात रविवार शाम को कोरांव थाना क्षेत्र के घुघा गांव के लिए निकली थी। बारात में शामिल गाड़ियां जैसे ही कोरांव थाना क्षेत्र के बेलन नहर के पास पहुंची, तभी आगे चल रही एक कार अंधेरे के कारण अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। जिससे पीछे से आ रही दूसरी कार भी अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। एक कार में पांच लोग सवार थे। जबकि दूसरी कार में चार लोग सवार थे। जब तक पीछे आ रही गाड़ियों के लोग कुछ समझ पाते कार गहरी नहर में चली गई । नहर गहरी होने के कारण लोग पानी में नहीं उतर सके और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के माध्यम से सर्च ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों कार में सवार 7 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। वहीं, काफी सर्च के बाद सोमवार को भोर में प्रदीप कुशवाहा और अनीश सिंह का शव बरामद हुआ। कोरांव थाना एसएचओ राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि 7 लोगों को सुरक्षित बचाया जा सका है। जबकि नहर काफी गहरी होने के कारण 2 लोग की मौत हो गई है, जिनका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

श्री रामजानकी सनातन जनकल्याण संस्था का हुआ रजिस्ट्रेशन

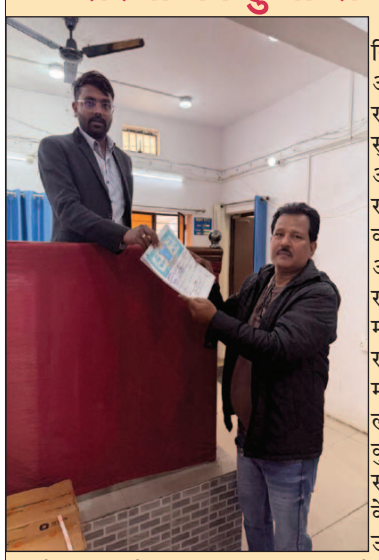

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत दारौंदा प्रखंड के रामगढ़ा निवासी रामबाबू सुदामा सिंह(संस्थापक) और उनके अन्य मित्रों ने श्री रामजानकी सनातन जन कल्याण संस्था का रजिस्ट्री ऑफिस महाराजगंज में रजिस्ट्रेशन करवाएं है। इस मौके पर संस्था का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र महाराजगंज के रजिस्टार लखन कुमार ने दिया। लखन कुमार ने बताया कि यह संस्था जन कल्याण के हितों के कार्य करने के लिए है उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सबको धन्यवाद दिए। वही संस्था में सम्मिलित लोगों ने कहा कि यह संस्था सनातन से जुड़े हर कार्य करेगी जो जनकल्याण के लिए होगा। मौके पर उपस्थित कातिब बलवंत प्रताप सिंह ने बताया कि जनकल्याण की भावना से यह रजिस्ट्रेशन करवाया गया है क्षेत्र या जो भी जन कल्याण से संबंधित कार्य सुनने में मिलेंगे उसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर उस कार्य का निष्पादन किया जाएगा। मौके पर प्रताप कुमार, मंजेश कुमार,अमोद सिंह,धर्मेंद्र सिंह, हरी किशोर सिंह, नंदन कुमार सिंह मौजूद रहे।

बदलापुर की उप जिलाधिकारी योगिता सिंह का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

जौनपुर। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बदलापुर, जौनपुर की कर्तव्यनिष्ठ और तेज तर्रार उप जिलाधिकारी सुश्री योगिता सिंह का सम्मान किया गया। संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने शॉल और स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मुंबई महानगरपालिका के पूर्व शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा तथा दैनिक जागरण के पत्रकार प्रमोद पांडे उपस्थित रहे। संस्था द्वारा उन्हें यह सम्मान उनकी योग्य प्रशासनिक क्षमता तथा आम जनता के बीच उनके उज्जवल छवि को देखते हुए प्रदान किया गया। संस्था द्वारा आशा व्यक्त की गई कि सुश्री योगिता सिंह की कुशल क्षमता और समर्पित जनहित कार्यों से तहसील से जुड़े लोगों को राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ मिलेगा। 2022 में प्रशासनिक सेवा से जुड़ी सुश्री योगिता सिंह पढ़ाई में हमेशा टॉपर रहीं और पुलिस सेवा में रहे अपने पिता को अपना आदर्श मानती हैं। अलीगढ़ जनपद की रहने वाली सुश्री योगिता सिंह को अभी लंबी दूरी तय करना है और जनता से जुड़े विकास के ढेर सारी सपनों को पूरा करना है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह के अनुसार सुश्री योगिता सिंह ऊजार्वान उप जिलाधिकारी हैं, जिनके कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में तहसील का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

फौजी की मां को तमंचा दिखाने पर मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव निवासी भारतीय थल सेना में तैनात फौजी की मां को दबंगों द्वारा तमंचा दिखाकर धमकी देने एवं गाली गलौज करने का मामला सामने आया है। फौजी की मां पुलिस पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र शिकायत की,जिसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। रामगढ़ गांव निवासी अमित मिश्रा भारतीय थल सेना में पिछले 23 वर्षों से सेवारत हैं। वर्तमान में लद्दाख में चीन बॉर्डर पर तैनात हैं। उनकी माता आशा मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति की मौत हो चुकी है। बेटा सीमा पर देश की सुरक्षा में लगा है। घर पर वह अकेली रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर पड़ोसी संजय पाण्डेय व अवधेश पाण्डेय जबरन जमीन कब्जाने की कोशिश कर रहे हैं। शुक्रवार को उक्त आरोपी अपने परिवार के साथ उनके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर संजय पाण्डेय अवैध असलहा निकालकर जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी आए दिन दरवाजे पर खड़े होकर गाली-गलौज करते हैं और भय का माहौल बनाकर जमीन हड़पना चाहते हैं। पीड़िता आशा मिश्रा का आरोप है कि एक ओर जहां बेटा देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात है, वहीं दूसरी ओर उसकी मां गांव में दबंगों की धमकियों से डरी-सहमी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में मिली तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

हाईवे पर बड़ा हादसा, तीन वाहन आपस में टकराए, दो बच्चों समेत चार घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोडरी फाटक के पास बने अवैध कट के कारण सोमवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। अचानक कार मोड़े जाने से तीन वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें दो बच्चों सहित चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलालपुर क्षेत्र के लोहगाजर गांव निवासी करमवीर सिंह अपनी क्रेटा कार से जलालपुर की ओर से जौनपुर जा रहे थे। जैसे ही वह कोडरी फाटक के पास पहुंचे, वहां बने अवैध कट से उन्होंने अचानक कार मोड़ दी। उसी दौरान जौनपुर से वाराणसी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार बस ने कार के अगले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी। बस की टक्कर से क्रेटा कार पीछे की ओर खिसक गई। तभी वाराणसी से जौनपुर की ओर आ रही एक बोलेरो कार भी उससे आ टकराई, जिससे हादसा और गंभीर हो गया। दुर्घटना में क्रेटा चालक करमवीर सिंह के अलावा बोलेरो सवार मनोज कुमार, उनकी पत्नी अनिता देवी तथा उनके बच्चे साक्षी और अंकित कुमार घायल हो गए । हादसे की सूचना मिलते ही थानाप्रभारी गजानंद चौबे एसआई मोहम्मद शहनवाज और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी भिजवाया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। दुर्घटना के कारण कुछ देर तक राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने तीनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू कराया। थानाप्रभारी गजानंद चौबे ने बताया कि अवैध कट पर अचानक कार मोड़े जाने के कारण यह हादसा हुआ है। उन्होंने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

वाराणसी : नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म का आरोप, महिला सहयोगी सहित आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने मुख्य आरोपी युवक और उसकी महिला सहयोगी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला सारनाथ थाना क्षेत्र का है, जहां पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाए थे।

पीड़िता के अनुसार, वह सारनाथ क्षेत्र अंतर्गत एक लॉज में समूह सखी के रूप में कार्य करती है। आरोप है कि करण विश्वकर्मा नामक युवक ने अपने कमरे में महिला मित्र की चाय में नशीला पदार्थ मिला दिया। नशीली चाय पीने के बाद पीड़िता की हालत बिगड़ गई और वह अचेत हो गई। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता ने सारनाथ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी युवक की महिला मित्र ने इस घटना में सहयोग किया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी करण विश्वकर्मा और उसकी सहयोगी महिला को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सारनाथ थाने के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की गई है और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और साक्ष्यों के आधार पर विवेचना की जा रही है। मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाबा महेंद्रनाथ सेवा मंच द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव एवं भव्य सेवा शिविर का आयोजन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान छपरा जिला अंतर्गत समस्त शिव भक्तों को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा महेन्द्रनाथ सेवा मंच के तत्वावधान में 18 वा दो दिवसीय भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव एवं निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम विवरण प्रथम दिवसः 14 फरवरी 2026 (शनिवार) सेवा शिविर शुभारंभः भक्तों की सुविधा हेतु सेवा कार्यों का प्रारंभ। सामूहिक रुद्राभिषेक 21 विवाहित जोड़ों द्वारा देवाधिदेव महादेव का भव्य अभिषेक। मानस पाठः संगीतमय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का भव्य शुभारंभ। द्वितीय दिवसः 15 फरवरी 2026 (रविवार) पूर्णाहुतिः अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का समापन एवं हवन। विशाल सेवा शिविरः बाबा महेन्द्रनाथ धाम आने-जाने वाले सभी श्रद्धालुओं हेतु पूरे दिन निःशुल्क जल, फल एवं अन्य सेवा सुविधाएं। आयोजन स्थलः बाबा महेन्द्रनाथ धाम प्रवेश द्वार (लौवारी मोड़) विशेष आग्रहः आप सभी शिव भक्तों से करबद्ध प्रार्थना है कि इस पावन अवसर पर शिविर में पधारकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं, भक्तों की सेवा में सहभागी होंकर पुण्य के भागी बने।

सौरभ पर पूरे विद्यालय परिवार को गर्व : हृदय प्रसाद सिंह

गणित प्रवक्ता के बेटे को गेट परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही मिली सफलता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला क्षेत्र के श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के गणित प्रवक्ता संतोष कुमार के बड़े बेटे सौरभ कुमार का चयन पावर ग्रिड कॉपोरेशन में एग्जीक्यूटिव के पद पर गुरुग्राम में हुआ है। सौरभ ने महज 23 वर्ष की उम्र में और प्रथम प्रयास में ही यह सफलता हासिल की है। इससे परिजनों, विद्यालय परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर है। बधाई देने के लिए स्थानीय नागरिकों एवं शुभचिंतकों का तांता लग गया है। इनकी इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई नवोदय विद्यालय जौनपुर और बीटेक, आईआईटी कानपुर से हुई। इनका चयन गेट परीक्षा 2025 के बाद साक्षात्कार से हुआ। इन्होंने सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया है। पिता संतोष कुमार ने कहा कि सौरभ की कठिन मेहनत रंग लाई। हम सभी लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरकर इन्होंने यह साबित कर दिया कि जब लक्ष्य निश्चित हो तो समस्याएं सफलता में बाधक नहीं बनती। इस सफलता पर गांधी स्मारक विद्यालय संकुल प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू ने प्रसन्नता व्यक्त की है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। सौरभ पर पूरे विद्यालय परिवार को गर्व है। पूर्ण विश्वास है कि वह अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ करेंगे तथा समाज का नाम रोशन करेंगे। पूर्व प्रधानाचार्य डॉ.रणजीत सिंह, प्रधानाचार्य डॉ.अजेय प्रताप सिंह, संतोष कुमार सिंह, शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह, सुरेश पांडेय, विनय त्रिपाठी, धर्मदेव शर्मा, प्रेमनाथ सिंह चंदेल, अरुण कुमार मौर्य, राम बख्श सिंह आदि लोगों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

किसानों की खुशहाली के लिए काम कर रही सरकार : डॉ उमेश चंद्र तिवारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला ब्लॉक सभागार में सोमवार को कृषि सूचना तंत्र सुदृढ़ीकरण, किसान गोष्ठी/किसान मेला कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ उमेश चंद्र तिवारी का पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र भेंट करके भव्य स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने जल संरक्षण, जल एवं कृषि की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित और खुशहाली के लिए काम कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश पांडेय ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण सृष्टि के कल्याण के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है। इसके लिए पौधे लगाने के साथ-साथ उनका रख रखाव भी महत्वपूर्ण है। गोष्ठी में एसएमएस के माध्यम से कृषि की नवीनतम तकनीकी, सोलर पंप, पीएम किसान, फार्मर रजिस्ट्री, ट्रिकोडरमा, नवीनतम उद्योग और कृषि निवेश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, एडीओ कृषि शिवम गुप्ता, एसएमएस नंदकिशोर, शिवपूजन, श्री प्रकाश उपाध्याय, सौरभ सिंह,राजेश उपाध्याय, शिम्भू पाण्डेय, मुकेश तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास की घटना करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कुँवर अनुपम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, आयुष श्रीवास्तव के निर्दशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज, अजित सिंह चौहान के पर्यवेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा हत्या का प्रयास करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 09 फरवरी 2026 को वादी मुकदमा नूर मोहम्मद पुत्र सहजाद खाँन निवासी ग्राम डोभी न0पं0 खेतासराय जिला जौनपुर ने लिखित सूचना दिया गया पुरानी रंजीश को लेकर आरोपीगण, इस्तेयाक पुत्र अज्ञात ,फैसल पुत्र इस्तियाक ,अबुरैरा पुत्र इस्तियाक ,सैफ पुत्र नियाज निवासीगण डोभी न0पं0 खेतासराय थाना खेतासराय जिला जौनपुर द्वारा मेरे लडके सुल्तान को गाली गलौज करते हुये जान से मारने की नियत से लाठी डण्डा तथा सरिया से मारे पीटे तथा जान से मारने की धमकी दिया। जिससे वहा के लोग भागने लगे तथा लोगो में अफरा तफरी मच गयी। उपरोक्त सूचना के आधार पर स्थानीय पर मु0 अ0 सं0 23/2026 धारा 115(2)/352/351(3)/109 (1) बीएनएस व 7 सीएलए, मुखबीरी सूचना के आधार पर रेलवे क्रासिंग डोभी से समय करीब 11.45 बजे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही ।

दबंगों ने एक युवक को रोड पर दौड़ा कर पीटा

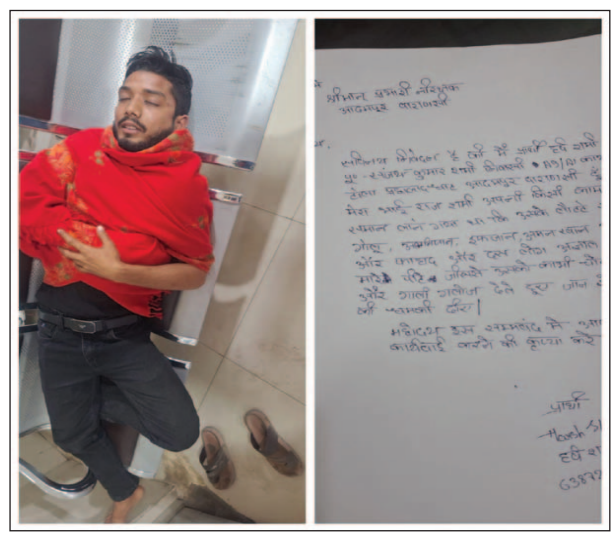

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के आदमपुर थानान्तर्गत रविवार की रात में लाल खां चौहट्टा निवासी राज शर्मा 25 को मामुली बात पर दर्जनो दबंगों ने प्रहलादघाट स्थित रोड पर दौड़ा दौड़ा कर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल किया। क्षेत्रीय लोगों ने घायल युवक को कबीर चौरा मण्डली अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया। क्षेत्रीय लोगों को जूटा देख दबंग युवक मौके से भाग निकले। भुक्तभोगी ने थाने पहुंच कर नाम दर्ज और बीस अज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर दिया। पुलिस को घायल के छोटा भाई हर्ष शर्मा ने पुलिस को बताया सामान लेकर हम घर को लौट रहे थे उसी वक्त कुछ दबंगों ने अकारण गाली गलौज देने लगे ।उधर से मेरे बड़ा भाई गुजर रहा था। मुझे देख भीड़ में घुसकर देखा कुछ लोगों द्वारा हमें गाली गलौज देरहे थे विरोध करने पर दबंगों ने मुझको और मेरे बड़े भाई को मारने पीटने लगे मैं किसी तरह अपनी जान बचा कर भिड़ में से निकल गया लेकिन मेरे बड़े भाई को दौड़ा कर पड़ लिया और मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मार पीट में शामिल दो युवक को हिरासत में लेकर घटना के बाबत पूछताछ कर रही हैं।

भाजपा जिला कार्यालय पर जौनपुर एवं मछलीशहर की संयुक्त बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जौनपुर एवं मछलीशहर की संयुक्त बैठक में भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने सांगठनिक विषयों की समीक्षा की एवं आगामी कार्ययोजना के विषय पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने आगामी 11 फरवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर समर्पण दिवस कार्यक्रम के विषय में आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जिला संगोष्ठी एवं विभिन्न कार्यक्रम करने हैं जिसकी रूपरेखा पहले से तय कर ली जाए और सभी कार्यक्रमों को सफल बनाएं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जौनपुर अजीत प्रजापति, जिलाध्यक्ष मछलीशहर डॉ.अजय कुमार सिंह, जिलामंत्री राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, पीयूष गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, विजय कुमार पटेल, सुदर्शन सिंह, राजेश सोनकर, कमलेश सिंह, स्कन्द पटेल, धनंजय कश्यप, रणविजय सिंह, रणजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

एचएमएसआई ने दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए

पटना(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए डियो 125 एक्स - एडिशन, जिसकी कीमत 87,733 रुपए है, और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, जिसकी कीमत 86,211 रुपए है (दिल्ली एक्स-शोरूम)। आज के बदलते राइडर्स को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए ये दोनों स्पेशल एडिशन एक रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी, आकर्षक नए ग्राफिक्स और प्रीमियम डिजाइन एन्हांसमेंट्स के साथ पेश किए गए हैं, जो तेजी से बढ़ते भारतीय टू-व्हीलर मार्केट में इनकी अपील को और बढ़ाते हैं। नए स्पेशल एडिशन पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओतानी ने कहा है।